

TECHNICAL ACTIVITY CARRIED OUT BY CENTRES / OVERSEAS CHAPTERS

Name of Centre / Overseas Chapter:		Meerut Local Centre	
Title of Activity:		Engineers' Day	
Activity under Divisional Board (delete which are not applicable):		Statutory Day	
Date:	15-09-2026	Venue:	Seminar Hall, S.D. College of Engg. & Tech. Muzaffarnagar (Meerut Commissioner)

(Insert photo)	(Insert photo)
	
Title of photo: Dignitaries on Dais	Title of photo: Audience in Seminar Hall

Brief Report (not exceeding 4000 characters)

The 59th Engineers Day was celebrated with great enthusiasm, by, The Institution of Engineers (India), Meerut Local Centre in collaboration with S.D. College of Engineering and Technology Muzaffarnagar on 15th September 2026 in the seminar hall of the Institute. This year, this celebration was the first out station event which took place at Muzaffarnagar District of Meerut mandal.

The programme commenced with the lighting of Lamps by Er. S.C. Mittal, Chairman, and Hony. Secretary Er. Nikhil Kishore IEI, Meerut Local Centre. Garlanding of portrait and pushpanjali were offered to Sir Vishvesaraya. The Chairman delivered welcome address extending greetings to Chief Guest, Guest of Honor, members of LCC, corporate members of the Institution and faculty and students of S.D. College of Engineering. The programme was convened by Er. Ramesh Chand Joint Secretary. On this occasion sapling Plants were presented to chief guest, guest of honor and distinguished speakers as a gesture of traditional welcome.

The session began with presentation by Er. C.P. Gupta FIE (Past Chairman, IEI Meerut LC). He enlightened on the life and legacy of Bharat Ratna Sir Mokshagundam Visvesvaraya. He highlighted his contributions as a distinguished engineer, visionary administrator, educationist and social reformer.

The eminent speakers addressed the gathering on the theme: "Engineering Excellence for a Sustainable and Technologically Sovereign India." Details are given below:

1. Dr. Pragati Sharma, Professor, Department of Electronics and Technology, S.D. College of Engineering and Technology Muzaffarnagar delivered a comprehensive lecture on engineering excellence for a sustainable and Technologically Sovereign India. She emphasized that engineering is no longer just about building systems, it is about

building a smart, safe, self reliant and sustainable future. She focussed on Technology Journey from four enabling layers i.e. semantic (intelligent), THZ (ultra fast), chiplet (Powerful & Modular) and digital twin communications.

2. Second Presentation was from Professor Manoj Kumar Jha, HOD, Department of Mechanical Engineering. S.D. College of Engg. and Tech. Muzaffarnagar. He emphasized that engineering excellence is not just a technical requirement. It is national imperative. He emphasised that by mastering sustainable and sovereign technologies, India will secure its own future. We should innovate locally and scale globally and share engineering responsibly.

In this seminar chief guest Dr. M. Manichavasgam, Distinguished Scientist, Director (Retd.) DRDO addressed the gathering with his inspiring words. He emphasized on missile technology, aerospace engineering and defence systems. He advised for self design, development and production for Sustainable and sovereign India. Guest of Honor Er. Divyam, Managing director, Trishul space, Dr. Sidharth Sharma Director and Dr. Subodh Kumar Sharma Principal S.D. College of Engineering and Technology, Muzaffarnagar also addressed the gathering. As a token of gratitude. Mementos were presented to the Chief Guest, guest of Honor, Director and Principal of S.D. College and speakers.

In this celebration students of S.D. College of Engineering and Technology also participated and were offered to express their views. A competition was arranged and best orators were rewarded, so youth and zenG participation, gave and extra enthusiasm to the event.

The proceeding of programme concluded with the vote of thanks given by Er. Nikhil Kishore, Hony. Secretary IEI, Meerut Local Centre. Before thanks giving. Er. Nikhil Kishore highlighted Sir Vishveshraiya's achievements as civil Engineer. Examples of Excellence in engineering were given. He also advised and motivated students for future engineering developments.

The celebration of 59th Engineers' Day by IEI Meerut Local Centre was widely appreciated and covered by leading news paper of Muzaffarnagar on 16th September 2026.

एस.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में धूमधाम से मनाया गया 59वाँ इंजीनियर्स-डे

मुद्राल टाइम्स यूरो
मुजफ्फरनगर। जॉनसट रोड स्थित एस.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मुजफ्फरनगर में द इन्स्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), मेरठ लोकल सेंटर एवं एस.डी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मुजफ्फरनगर के संयुक्त तत्वावधान में 59वें इंजीनियर्स डे का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष की मुख्य थीम 'इंजीनियरिंग एक्सप्लोर फॉर ए सस्टेनेबल एंड टेक्नोलॉजिकली सावरिन इंडिया' रही। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न सर एम. विष्णुस्वरैया के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत के साथ हुआ। इन्स्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), मेरठ सेंटर के चेयरमैन डॉ एचओ सीओ मिश्रल द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। पूर्व चेयरमैन डॉ सीओ पीओ गुप्ता ने सर मोक्षगुंडम विष्णुस्वरैया के जीवन परिचय एवं उनकी उपलब्धियों पर एक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एम. मणिक्वासगम (FNAE, FIE एवं FISSE, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं सेवानिवृत्त निदेशक, डीआरडीओ) रहे। उन्होंने मिसाइल प्रणालियों, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग एवं रणनीतिक रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा करते हुए सिस्टम डिजाइन, नेविगेशन,



मार्गदर्शन, नियंत्रण और मिशन डिजाइन में सटीकता, नवाचार और टीम वर्क के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी संप्रभुता के लिए स्वदेशी डिजाइन, विकास एवं उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने तथा मजबूत इंजीनियरिंग बुनियादी सिद्धांतों, अनुसंधान और नवाचार को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि इजीओ दिव्यम कश्यप (प्रबंध निदेशक, त्रिशूल स्पेस) ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने अंतरिक्ष तकनीक, रॉकेट प्रणोदन, एयरोस्पेस उद्योगिता एवं स्वदेशी रॉकेट तकनीक में उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक परियोजनाओं, प्रोटोटाइपिंग, परीक्षण और बहु-विषयक सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। संस्थान के सचिव

अनुभव कुमार ने कहा कि इंजीनियर्स डे केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारे युवा इंजीनियरों को देश के तकनीकी भविष्य को आकार देने में उनकी अहम भूमिका का एहसास कराने का एक स्वर्णिम अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार, स्वदेशी तकनीक और उद्यमिता के पथ पर पूरी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में इंजीनियर सुभाष मिश्रल, इंजीनियर रमेश चंद, इंजीनियर निखिल किशोर एवं इंजीनियर बी.डी. शर्मा का विशेष सहयोग रहा। साथ ही, द इन्स्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), मेरठ लोकल सेंटर एवं मुजफ्फरनगर लोकल चौप्टर के पदाधिकारियों और सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस

अवसर पर निर्धारित थीम पर आधारित तकनीकी प्रस्तुतियों एवं इंजीनियरिंग से जुड़ी गतिविधियों तथा भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान की छात्राओं स्वास्ती शर्मा, शगुन गोयल, श्रेया, दिव्यांशी शर्मा व माहिन अंसारी ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सतत इंजीनियरिंग एवं पर्यावरण जिम्मेदारी, तकनीकी संप्रभुता एवं स्वदेशी नवाचार, तथा राष्ट्र निर्माण में इंजीनियरिंग की भूमिका जैसे विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। माधव कात्यायन एवं निखिल तोमर का आयोजन को सफल बनाने में स्वयंसेवक के रूप में सराहनीय योगदान रहा। सभी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।